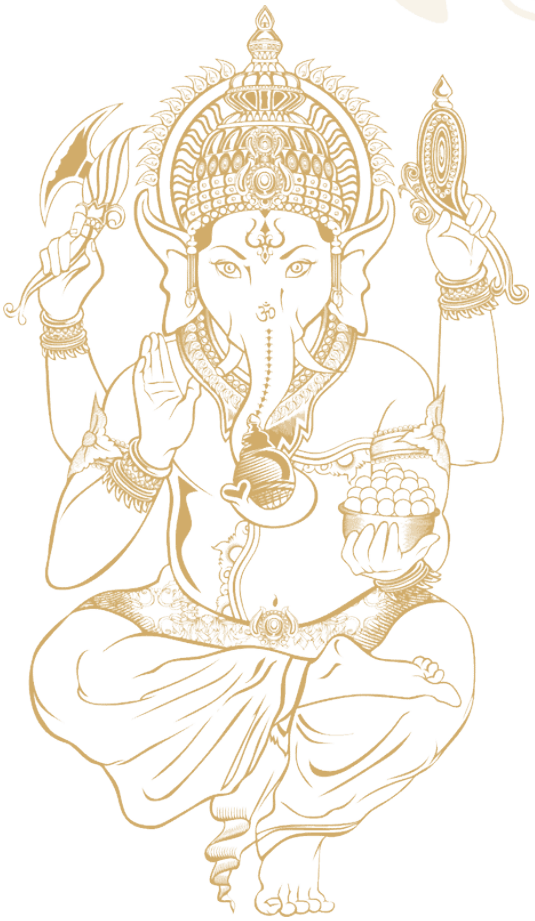

Ravibhusban Prasad kushawaha

06 May 1994

02:15 PM

Bettiah

Model: web-freekundliweb

Order No: 121259105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/05/1994**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:15:00 घंटे**
इष्ट	22:40:46 घटी
स्थान	**Bettiah**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:49:00 उत्तर
रेखांश	84:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:08:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:23:00 घंटे
वेलान्तर	00:03:22 घंटे
साम्पातिक काल	05:18:55 घंटे
सूर्योदय	05:10:41 घंटे
सूर्यास्त	18:27:02 घंटे
दिनमान	13:16:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:49:03 मेष
लग्न के अंश	27:02:47 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वैधृति
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:02:47	322:02:46	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			मेष	21:49:03	00:58:07	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			मीन	04:35:27	11:57:30	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल			मीन	22:53:29	00:45:54	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मित्र राशि
बुध		अ	मेष	28:50:44	02:08:06	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	सम राशि
गुरु	व		तुला	15:14:35	00:07:35	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	18:29:24	01:12:43	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि			कुंभ	16:48:14	00:04:23	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	00:03:13	00:00:50	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	00:03:13	00:00:50	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
हर्ष	व		मक	02:32:59	00:00:16	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		धनु	29:32:11	00:00:21	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	03:13:41	00:01:37	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			वृष	26:46:58	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:54

लग्न-चलित

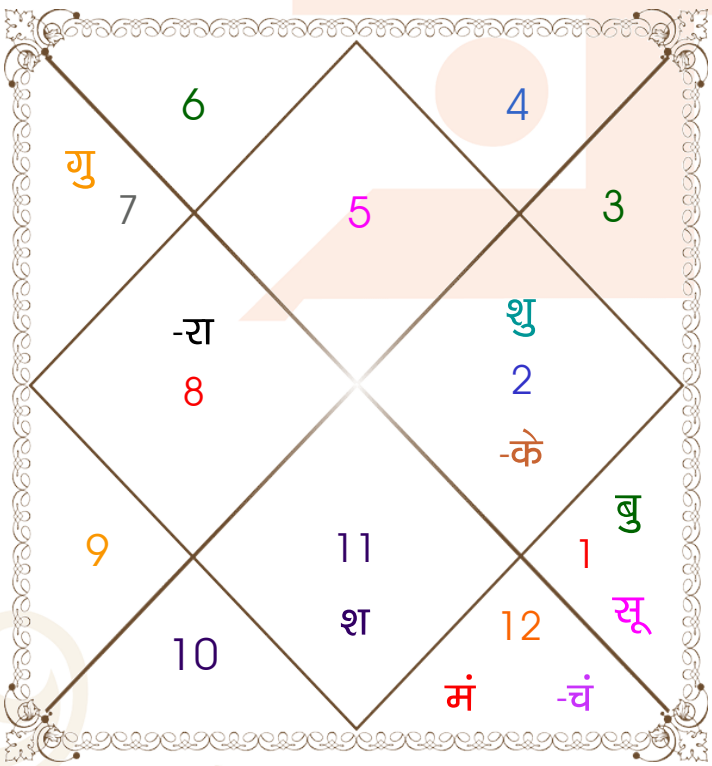

चन्द्र कुंडली

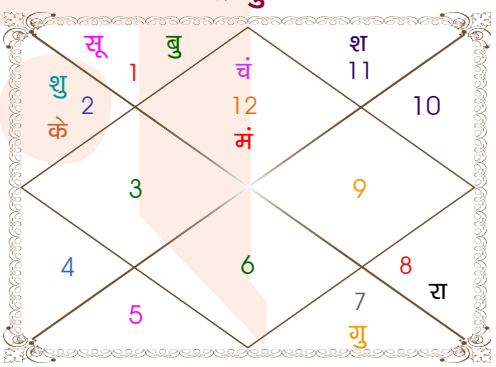

नवमांश कुंडली

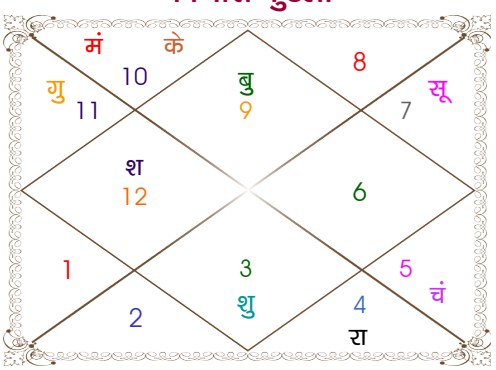

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 2 मास 15 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/05/1994		21/07/2011		21/07/2028		21/07/2035		21/07/2055	
21/07/2011		21/07/2028		21/07/2035		21/07/2055		21/07/2061	
शनि	24/07/1995	बुध	17/12/2013	केतु	17/12/2028	शुक्र	20/11/2038	सूर्य	08/11/2055
बुध	03/04/1998	केतु	14/12/2014	शुक्र	16/02/2030	सूर्य	20/11/2039	चंद्र	09/05/2056
केतु	12/05/1999	शुक्र	14/10/2017	सूर्य	24/06/2030	चंद्र	21/07/2041	मंगल	13/09/2056
शुक्र	12/07/2002	सूर्य	21/08/2018	चंद्र	23/01/2031	मंगल	20/09/2042	राहु	08/08/2057
सूर्य	24/06/2003	चंद्र	20/01/2020	मंगल	21/06/2031	राहु	20/09/2045	गुरु	27/05/2058
चंद्र	22/01/2005	मंगल	16/01/2021	राहु	08/07/2032	गुरु	21/05/2048	शनि	09/05/2059
मंगल	03/03/2006	राहु	06/08/2023	गुरु	14/06/2033	शनि	21/07/2051	बुध	15/03/2060
राहु	07/01/2009	गुरु	10/11/2025	शनि	24/07/2034	बुध	21/05/2054	केतु	21/07/2060
गुरु	21/07/2011	शनि	21/07/2028	बुध	21/07/2035	केतु	21/07/2055	शुक्र	21/07/2061

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
21/07/2061		21/07/2071		21/07/2078		21/07/2096		22/07/2112	
21/07/2071		21/07/2078		21/07/2096		22/07/2112		00/00/0000	
चंद्र	21/05/2062	मंगल	18/12/2071	राहु	02/04/2081	गुरु	08/09/2098	शनि	07/05/2114
मंगल	20/12/2062	राहु	04/01/2073	गुरु	27/08/2083	शनि	22/03/2101		00/00/0000
राहु	20/06/2064	गुरु	11/12/2073	शनि	03/07/2086	बुध	28/06/2103		00/00/0000
गुरु	20/10/2065	शनि	20/01/2075	बुध	19/01/2089	केतु	03/06/2104		00/00/0000
शनि	21/05/2067	बुध	17/01/2076	केतु	07/02/2090	शुक्र	02/02/2107		00/00/0000
बुध	20/10/2068	केतु	14/06/2076	शुक्र	06/02/2093	सूर्य	21/11/2107		00/00/0000
केतु	21/05/2069	शुक्र	14/08/2077	सूर्य	01/01/2094	चंद्र	22/03/2109		00/00/0000
शुक्र	20/01/2071	सूर्य	20/12/2077	चंद्र	03/07/2095	मंगल	26/02/2110		00/00/0000
सूर्य	21/07/2071	चंद्र	21/07/2078	मंगल	21/07/2096	राहु	22/07/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 2 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।